बैचलर ऑफ आर्ट्स (संस्कृत)

Bachelor of Arts (Sanskrit)

द्वितीय सेमेस्टर, बी0ए0एस0एल (N)- 102

संस्कृत गद्यकाव्य एवं उपन्यास

अनुक्रम

खण्ड- एक (Section-A) संस्कृत गद्यकाव्य का परिचय एवं प्रतिपाद्य विषय	**पृष्ठ संख्या 1 - 4**
इकाई-1 संस्कृत गद्यकाव्य का उद्भव एवं विकास	5-17
इकाई-2 संस्कृत के प्रमुख गद्यकार	18-38
इकाई-3 प्रमुख गद्यकाव्यों एवं उपन्यासों का सामान्य परिचय	39-55
इकाई-4 पञ्चतन्त्र, हितोपदेश, वेतालपञ्चविंशतिका, सिंहासनद्वात्रिंशिका और पुरूष परीक्षा का सामान्य परिचय	56-70
खण्ड- दो (Section-B) कादम्बरी (शुकनासोपदेश)	**पृष्ठ संख्या 71**
इकाई-1 आचार्य बाणभट्ट की कादम्बरी (शुकनासोपदेश) का विहंगावलोकन	72-86
इकाई-2 शुकनासोपदेश : गद्य भाग एवं समतिक्रामत्सु.....मेदादोषं गुरूकरणम् तक (अर्थ एवं व्याख्या)	87-98
इकाई-3 असुवर्णविरचनमग्राम्यं से.....चिन्तितापि वञ्चयति तक (अर्थ एवं व्याख्या)	99-114
इकाई-4 एवंविधयापि .....सर्वजनस्योपहास्यतामुपयान्ति तक (अर्थ एवं व्याख्या)	115-127
इकाई-5 आत्मविडम्बनां ..... स्वभवनं आजगाम तक (अर्थ एवं व्याख्या)	128-139
खण्ड- तीन (Section-C) शिवराजविजयम्	**पृष्ठ संख्या 140**
इकाई-1 पण्डित अम्बिकादत्त व्यास का परिचय एवं समय	141-153
इकाई-2 संस्कृत गद्यकाव्य के उपन्यास शिवराजविजय का विहंगावलोकन	154-174
इकाई- 3 शिवराजविजयम् : प्रथम नि:श्वास विष्णोर्माया.....से..... विरराम तक (मूल, अर्थ, व्याख्या)	175-205
इकाई- 4 तदाकर्ण्य विविध....से....स्वकुटीरं प्रविवेश तक (मूल, अर्थ, व्याख्या)	206-218
इकाई- 5 शिवराजविजयम् : द्विताय नि:श्वास रात्रिर्गमिष्यंति .....से..... यवनयुवकान तक (मूल, अर्थ, व्याख्या)	219-251
इकाई- 6 क्वचिद अहो..... चरणौ प्रणनामतक (मूल, अर्थ, व्याख्या)	252-291